

वैदिक कालीन संगीत का विवेचनात्मक अध्ययन

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
रानीखेत (अल्मोड़ा)



एम0 ए0 चतुर्थ सेमेस्टर में

एम0 ए0 की उपाधि

हेतु प्रस्तुत

लघु शोध प्रबन्ध

निर्देशिका

श्रीमती दीपा नन्दा

संगीत विभाग

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

रानीखेत (अल्मोड़ा)

शोधकर्ता

विशाल चन्द्र फुलारा

एम0 ए0 चतुर्थ सेमेस्टर- संगीत गायन

अनुक्रमांक- 190160550001

संगीत विभाग

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

रानीखेत (अल्मोड़ा)

कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल

(2019-21)

वैदिक कालीन संगीत का विवेचनात्मक अध्ययन

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
रानीखेत (अल्मोड़ा)



एम0 ए0 चतुर्थ सेमेस्टर में
एम0 ए0 की उपाधि
हेतु प्रस्तुत

लघु शोध प्रबन्ध

निर्देशिका

श्रीमती दीपा नन्दा

संगीत विभाग

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

रानीखेत (अल्मोड़ा)

V Joshi
13/11/2021
(Dr. Vandana Joshi)

शोधकर्ता

विशाल चन्द्र फुलारा

एम0 ए0 चतुर्थ सेमेस्टर-संगीत गायन

अनुक्रमांक-190160550001

संगीत विभाग

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रानीखेत

अल्मोड़ा (उत्तराखण्ड)

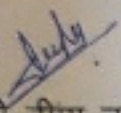
(कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल)

(2019-21)

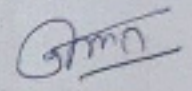
प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि मेरे द्वारा यह लघु शोध प्रबन्ध जिसका शीर्षक "वैदिक कालीन संगीत का विवेचनात्मक अध्ययन" है, एम. ए. संगीत (गायन) चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा में संगीत विभाग, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रानीखेत (अल्मोड़ा) में एम. ए. संगीत (गायन) की उपाधि हेतु प्रस्तुत किया गया है। इस लघु शोध-प्रबन्ध में मेरा शोध निर्देशन श्रीमती दीपा नन्दा, विभागाध्यक्ष, संगीत विभाग, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रानीखेत (अल्मोड़ा) द्वारा किया गया है। यह शोध-प्रबन्ध मेरा मौलिक कार्य है।

शोध निर्देशिका


श्रीमती दीपा नन्दा
विभागाध्यक्ष,
संगीत विभाग,
राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
रानीखेत (अल्मोड़ा)

शोधकर्ता


विशाल चन्द्र फुलारा
एम. ए. संगीत (गायन) चतुर्थ सेमेस्टर
अनु.- 190160550001

(डॉ० हेमा प्रसाद)

प्राचार्या
राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
रानीखेत (अल्मोड़ा)
उत्तराखण्ड

कुमाऊँ का लोकसंगीत एवं महत्व
राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
रानीखेत (अल्मोड़ा)



एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर में
एम.ए. की उपाधि
हेतु प्रस्तुत

लघु शोध प्रबन्ध

निर्देशिका :-

श्रीमती दीपा नन्दा
संगीत विभाग
राजकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय, रानीखेत

प्रस्तुतकर्ता :-

कु० हिमांशी बिष्ट
एम०ए० चतुर्थ सेमेस्टर
अनुक्रमांक - 190160550002

संगीत विभाग
राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रानीखेत
अल्मोड़ा (उत्तराखण्ड)
(कुमाऊँ विश्वविद्यालय नैनीताल)

वर्ष : 2019-21

कुमाऊँ का लोकसंगीत एवं महत्व

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
रानीखेत (अल्मोड़ा)



एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर में
एम. ए. की उपाधि
हेतु प्रस्तुत

लघु शोध प्रबन्ध

निर्देशिका—
श्रीमती दीपा नन्दा
संगीत विभाग
राजकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय रानीखेत

13/11/2021
(Dr. Vandana Joshi)

हिमांशी बिष्ट
प्रस्तुतकर्ता—
कु0 हिमांशी बिष्ट
एम0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर
अनुक्रमांक— 190160550002

संगीत विभाग

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रानीखेत

अल्मोड़ा (उत्तराखण्ड)

(कुमाऊँ विश्वविद्यालय नैनीताल)

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि मेरे द्वारा यह लघु शोध प्रबन्ध जिसका शीर्षक "कुमाऊँ का लोकसंगीत एवं महत्व" है। एम0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर संगीत (गायन) की परीक्षा में संगीत विभाग, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रानीखेत (अल्मोड़ा) में एम0ए0 संगीत (गायन) उपाधि हेतु प्रस्तुत किया गया है। इस लघु शोध प्रबन्ध में मेरा शोध निर्देशन श्रीमती दीपा नन्दा विभागाध्यक्ष, संगीत विभाग, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रानीखेत (अल्मोड़ा) द्वारा किया गया है। यह शोध प्रबन्ध मेरा मौलिक कार्य है।

शोध निर्देशिका—

श्रीमती दीपा नन्दा

विभागाध्यक्ष

संगीत विभाग

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रानीखेत।

हिमांशी बिष्ट
शोधकर्ती—

कु0 हिमांशी बिष्ट

एम0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर

(डॉ0 हेमा प्रसाद)

प्राचार्य

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रानीखेत (अल्मोड़ा)

(उत्तराखण्ड)

(2019—21)